कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

कृषि पंचांग–2026

कृषि विश्वविद्यालय कोटा का है प्रयास।
समृद्ध किसान, विकसित राष्ट्र।।

–डॉ. विमला डूंकवाल

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

विश्वविद्यालय- एक दृष्टि

फोन नं. : 0744-2321205, ई-मेल : registrar@aukota.org, वेब साइट : www.aukota.com

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना राज्य के दक्षिणी पूर्वी क्षेत्र के विकास एवं कृषि समृद्धि के उद्देश्य से 14 सितम्बर 2013 को हुई। जिसके कार्यक्षेत्र में छः जिले-कोटा, बाराँ, झालावाड़, बून्दी, सवाई माधोपुर एवं करौली को शामिल किया गया है जो कि राजस्थान के मौसम आधारित दो कृषि जलवायु क्षेत्रों जोन-V (आर्द्र दक्षिण पूर्वी मैदानी क्षेत्र) एवं जोन.III-ब (बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदानी क्षेत्र) सम्मिलित है।

इस क्षेत्र में औसत वार्षिक वर्षा 732 से 1005 मिलीमीटर तक है। सिंचाई के प्रमुख स्रोतों में नहर एवं ट्यूबवैल शामिल हैं। इस क्षेत्र में चम्बल, कालीसिंध, परवन तथा गम्भीरी मुख्य नदियां बहती हैं।

विश्वविद्यालय का मुख्य उद्धेश्य मानव संसाधन विकास व कृषि में टिकाऊ वृद्धि हेतु सही व प्रभावी तकनीकी का विकास एवं प्रसार करने के साथ-साथ इससे जुड़े हुए पहलुओं खाद्य व पोषण सुरक्षा, आय बढ़ाना तथा पर्यावरण सुरक्षा हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का कार्यक्षेत्र निम्नलिखित तीन भागों में बंटा हुआ है :

विश्वविद्यालय कार्यक्षेत्र

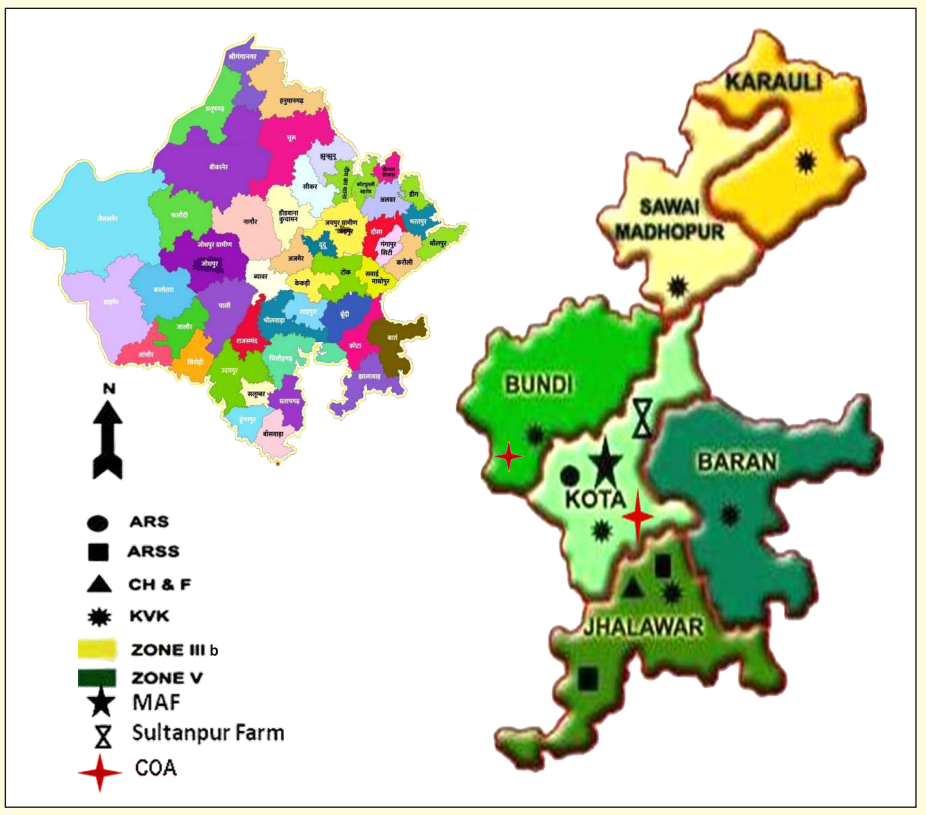

शिक्षण: विश्वविद्यालय में कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी संकाय में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति के पाठ्यक्रम संचालित है जो कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुलभ करवाने के कार्य में सतत् प्रयत्नशील है। इस हेतु उम्मेदगंज, कोटा एवं हिण्डौली, बून्दी में एक-एक कृषि महाविद्यालय तथा झालावाड़ में राज्य का एकमात्र उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय स्थापित है।

अनुसंधान : विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय के अन्तर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा, कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा, खानपुर व सुल्तानपुर फार्म तथा यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज कोटा शामिल हैं। अनुसंधान केन्द्र पर 15 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएँ संचालित हैं। यांत्रिक कृषि फार्म पर प्रतिवर्ष 14000-16000 क्विंटल गुणवत्तायुक्त बीज का उत्पादन होता हैं।

प्रसार शिक्षा : प्रसार शिक्षा निदेशालय का मुख्य उद्देश्य उन्नत कृषि तकनीक का त्वरित हस्तांनान्तरण कर कृषि उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि तथा कौशल विकास करना है। इस हेतु प्रशिक्षण, प्रक्षेत्र अनुसंधान परीक्षण, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, प्रक्षेत्र दिवस एवं कृषि सूचनाऐं कृषक, महिला कृषक एवं ग्रामीण युवाओं को सुलभ करवाई जाती है। निदेशालय के अधीन 6 जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्र (कोटा, बून्दी, बाँरा, झालावाड़, करौली व सवाईमाधोपुर) कार्यरत हैं।

विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण

पद	नाम	दूरभाष	मोबाइल
माननीय कुलगुरु महोदया	डॉ. विमला डूंकवाल	0744-2321204	
कुलसचिव	श्रीमती मनीषा तिवारी	0744-2321205	94601-79611
वित्त नियंत्रक	श्री महेश चन्द मीणा	0744-2321206	97727-65655
निदेशक अनुसंधान	डॉ.एम.सी. जैन	0744-2321207	94145-95682
निदेशक प्रसार शिक्षा	डॉ. महेन्द्र सिंह	0744-2326727	94142-13488
निदेशक शिक्षा	डॉ. जितेन्द्र सिंह	07432-241155	99503-15761
निदेशक (पी.एम.एण्ड ई.)	डॉ. मुकेश चन्द गोयल	0744-2340048	94147-58940
निदेशक मानव संसाधन विकास	डॉ. डी.के. सिंह	0744-2340049	94146-62038
निदेशक छात्र कल्याण	डॉ. विरेन्द्र सिंह		94287-06638
निदेशक लैण्ड स्केप एवं रेवेन्यू जनरेशन	डॉ. आशुतोष मिश्र		70140-73670
अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महा., झालावाड़	डॉ.आई.बी. मौर्य	07432-241155	98870-95532
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	डॉ. एस.के. जैन	0744-2960919	94147-82564
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली, बून्दी	डॉ.एन.एल. मीणा	07436-294130	94145-39008
परीक्षा नियंत्रक	डॉ. हरीश वर्मा	0744-2340638	70146-01475
भू-सम्पदा अधिकारी	डॉ. महेन्द्र सिंह	0744-2324530	94142-13488
अतिरिक्त निदेशक, (सीड एण्ड फार्म)	डॉ. एन.आर. कोली		94135-30031
जन सम्पर्क अधिकारी	डॉ. मुकेश चन्द गोयल	0744-2340048	94147-58940
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	डॉ. नीरज हाड़ा	0744-2326726	79761-26864
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	डॉ. महेश चौधरी	0747-2457162	98294-08402
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारा)	डॉ.बनवारी लाल	07457-244862	90575-96189
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	डॉ. संतोष झाझड़िया	07432-230205	94620-00090
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर	डॉ. बी.एल. मीणा	07462-213207	94148-22272
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन	डॉ. बच्चू सिंह	07469-209969	94149-74292
प्रभारी अधिकारी, यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज	डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा	0744-2209388	94143-16578
प्रभारी अधिकारी, ए.आर.एस.एस., अकलेरा	श्री प्रदीप कुमार		81687-18074
प्रभारी अधिकारी, ए.आर.एस.एस., खानपुर	डॉ. शंकर लाल यादव		90010-24043
प्रभारी अधिकारी, सुल्तानपुर फार्म	डॉ. हरफूल मीणा		94602-46043
प्रभारी अधिकारी विश्वविद्यालय अतिथिगृह	डॉ. राकेश कुमार बैरवा		94130-93805
प्रभारी अधिकारी, लैण्डस्कैपिंग सेल	डॉ. योगेन्द्र कुमार मीणा		99144-58477

प्रकाशन

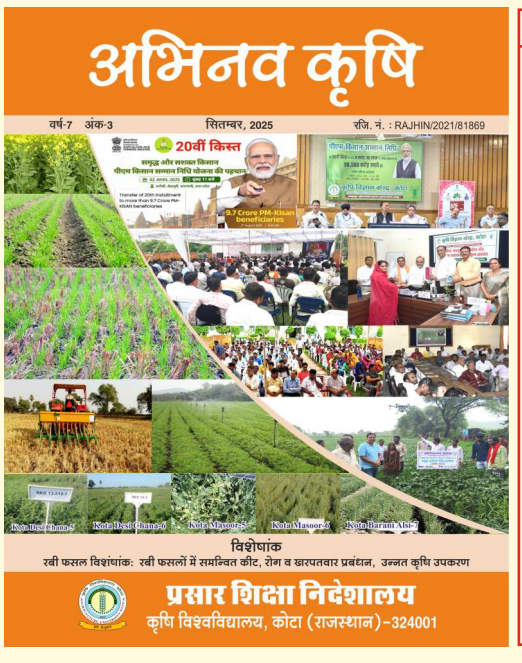

महत्वपूर्ण दिवस

दिनांक	दिवस
26 जनवरी	गणतंत्र दिवस
8 मार्च	अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस
21 मार्च	विश्व वानिकी दिवस
22 मार्च	विश्व जल संरक्षण दिवस
22 अप्रेल	विश्व पृथ्वी दिवस
22 मई	अर्न्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस
5 जून	विश्व पर्यावरण दिवस
21 जून	अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस
16 जुलाई	भा.कृ.अनु.परिषद स्थापना दिवस
15 अगस्त	स्वतन्त्रता दिवस
5 सितम्बर	शिक्षक दिवस
14 सितम्बर	विश्वविद्यालय स्थापना दिवस
2-31 अक्टूबर	स्वच्छ भारत मिशन
15 अक्टूबर	महिला किसान दिवस
16 अक्टूबर	विश्व खाद्य दिवस
3 दिसम्बर	राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दिवस
4 दिसम्बर	अर्न्तराष्ट्रीय कृषक महिला दिवस
5 दिसम्बर	विश्व मृदा दिवस
23 दिसम्बर	किसान दिवस

खेती की नवीनतम जानकारी हेतु

बात करें-
किसान कॉल सेंटर 18001801551 (टोल फ्री)
प्रात: 6 से रात्रि 10 बजे तक

देखें-
जयपुर दूरदर्शन पर
खेती बाडी -गुरूवार सांय 7.30 बजे
कृषि दर्शन-सोमवार से शुक्रवार सांय 5.30 बजे
डी.डी. किसान चैनल-24X7

सुने-खेती री बातां, आकाशवाणी कार्यक्रम
सांय 7.45 से 8.15 तक

मिलें- जिले के नजदीकी कृषि विज्ञान केन्द्र या कृषि कार्यालय में

लॉग ऑन करें-
www.aukota.org
www.agriculture.rajasthan.gov.in
www.farmer.gov.in

संरक्षक

डॉ. विमला डूंकवाल
माननीय कुलगुरू

मार्गदर्शक
डॉ. महेन्द्र सिंह
निदेशक प्रसार शिक्षा

सम्पादक मण्डल
डॉ. के.एम. शर्मा
डॉ. राकेश कुमार बैरवा
डॉ. योगेन्द्र कुमार मीणा
सुश्री सरिता

सहयोग
श्री दीपांकर आजाद

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

14. माननीय कुलगुरू द्वारा घोषित अवकाश (मकर संक्रान्ति)
25. देवनारायण जयन्ती, 26. गणतंत्र दिवस

जनवरी, 2026 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	नववर्ष की शुभकामनाएँ 1 नव वर्ष प्रारम्भ	4 माघ कृष्ण प्रतिपदा	11 माघ कृष्ण अष्टमी	18 माघ कृष्ण अमावस्या	25 माघ शुक्ल सप्तमी
सोमवार Monday	14. मकर संक्रान्ति	5 माघ कृष्ण द्वितीया	12 माघ कृष्ण नवमी	19 माघ शुक्ल प्रतिपदा	26 माघ शुक्ल अष्टमी
मंगलवार Tuesday	25. देवनारायण जयन्ती	6 माघ कृष्ण तृतीया	13 माघ कृष्ण दशमी	20 माघ शुक्ल द्वितीया	27 माघ शुक्ल नवमी
बुधवार Wednesday	26 गणतंत्र दिवस	7 माघ कृष्ण पंचमी	14 माघ कृष्ण एकादशी	21 माघ कृष्ण तृतीया	28 माघ शुक्ल दशमी
गुरूवार Thursday	1 पौष शुक्ल त्रयोदशी	8 माघ कृष्ण षष्ठी	15 माघ कृष्ण द्वादशी	22 माघ शुक्ल चतुर्थी	29 माघ शुक्ल एकादशी
शुक्रवार Friday	2 पौष शुक्ल चतुर्दशी	9 माघ कृष्ण सप्तमी	16 माघ कृष्ण त्रयोदशी	23 माघ शुक्ल पंचमी	30 माघ शुक्ल द्वादशी
शनिवार Saturday	3 पौष शुक्ल पूर्णिमा	10 माघ कृष्ण सप्तमी	17 माघ कृष्ण चतुर्दशी	24 माघ शुक्ल षष्ठी	31 माघ शुक्ल त्रयोदशी

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. गेहूँ की खड़ी फसल में जिंक की कमी के लक्षण दिखने पर जिंक सल्फेट 5 ग्राम+बुझा हुआ चुना 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर बनाकर छिड़काव करें।
2. चने में फली छेदक कीट के प्रबन्धन हेतु एसीफेट 75 एस.पी. का 500 ग्राम या प्रोफेनोफॉस 50 ईसी 1.5 लीटर प्रति हैक्टर 500 लीटर पानी में घोल बानाकर छिड़काव करें तथा सर्वेक्षण हेतु 7-8 एवं प्रबन्धन के लिए 20-25 फेरोमेन ट्रेप प्रति हैक्टर की दर से लगायें।
3. चना की फसल में कॉलर रॉट या उखटा रोग दिखाई देते ही कार्बन्डाजिम 50 WP 2 किलोग्राम या कार्बन्डाजिम 12% + मेन्कोजेब 63% WP 2 किलोग्राम प्रति हेक्टर का छिड़काव करें या ट्राईकोडर्मा 5 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से वर्मीकम्पोस्ट में मिलाकर भुरकाव कर सिंचाई करें।
4. सरसों में फूल बनने के पश्चात् चैंपा नियंत्रण हेतु डाईमिथोएट 30 ई. सी. 875 मिलीलीटर या एसीफेट 75 एसपी 700 ग्राम प्रति हैक्टर का छिड़काव करें।
5. आलू में रस चूसक कीट नियंत्रण हेतु सिट्रानिलिप्रोल 10 प्रतिशत ओ.डी. का 600 मिली. प्रति हैक्टर 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें एवं आवश्यकता पड़ने पर 15 दिन बाद पुनः दोहरावें।
6. टमाटर फसल में फल छेदक नियंत्रण हेतु कीट प्रकोप प्रारम्भ होते ही एन. पी. वी. 250 एल. ई. प्रति हैक्टर या ब्यूवेरिया बेसियाना 5 मि. ली. प्रति लीटर के तीन पर्णीय छिड़काव 15 दिन के अन्तराल पर करें।
7. लो-टनल में कद्दूवर्गीय सब्जियों लौकी, टिण्डा, करेला, खीरा एवं तोरई की बुवाई करें।
8. पोली हाउस में सब्जियों की पौध तैयार करें।
9. मिर्च, टमाटर एवं बैंगन की फसलों का पाले से बचाव करें।
10. संतरे में अम्बे बहार के फल लेने के लिए बगीचे में सिंचाई रोक देवें तथा हल्की जुताई अथवा गुड़ाई करें।
11. मुँहपका-खुरपका रोग, पी.पी.आर., फड़किया आदि रोगों से बचाव के टीके लगवाए।

श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े
माननीय राज्यपाल, राजस्थान
एवं कुलाधिपति, कृ.वि.वि., कोटा

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा
माननीय कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री, राजस्थान

डॉ. विमला डूंकवाल
माननीय कुलगुरू, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

माननीय कुलगुरु : डॉ. विमला डूंकवाल
फोन नं. : 0744-2321203, ई-मेल : vc@aukota.org. वेब साईट : www.aukota.org

कुलसचिव : श्रीमती मनीषा तिवारी (R.A.S.)
मोबाइल नं. : 9460179611, फोन : 0744- 2321205, ई-मेल : registrar@aukota.org

वित्त नियंत्रक: श्री महेश चन्द मीणा (R.Ac.S.)
मोबाइल नं. : 9772765655, फोन : 0744- 2321206, ई-मेल : comptroller@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

15. महाशिवरात्रि

फरवरी, 2026 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	1 माघ शुक्ल पूर्णिमा	8 फाल्गुन कृष्ण सप्तमी	15 फाल्गुन कृष्ण त्रयोदशी	22 फाल्गुन शुक्ल पंचमी	
सोमवार Monday	2 फाल्गुन कृष्ण प्रतिपदा	9 फाल्गुन कृष्ण अष्टमी	16 फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी	23 फाल्गुन शुक्ल षष्टी	
मंगलवार Tuesday	3 फाल्गुन कृष्ण द्वितीया	10 फाल्गुन कृष्ण अष्टमी	17 फाल्गुन कृष्ण अमावस्या	24 फाल्गुन शुक्ल सप्तमी	
बुधवार Wednesday	4 फाल्गुन कृष्ण तृतीया	11 फाल्गुन कृष्ण नवमी	18 फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा	25 फाल्गुन शुक्ल नवमी	
गुरूवार Thursday	5 फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी	12 फाल्गुन कृष्ण दशमी	19 फाल्गुन शुक्ल द्वितीया	26 फाल्गुन शुक्ल दशमी	
शुक्रवार Friday	6 फाल्गुन कृष्ण पंचमी	13 फाल्गुन कृष्ण एकादशी	20 फाल्गुन शुक्ल तृतीया	27 फाल्गुन शुक्ल एकादशी	
शनिवार Saturday	7 फाल्गुन कृष्ण षष्टी	14 आषाढ़ कृष्णा द्वादशी	21 फाल्गुन शुक्ल चतुर्थी	28 फाल्गुन शुक्ल द्वादशी	

15. महाशिवरात्रि

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. गेंहूँ में उपज वृद्धि के लिये एन.पी.के. 19:19:19 का 0.5 प्रतिशत घोल (5 ग्राम प्रति लीटर) का पर्णीय छिड़काव बाली बनने की अवस्था पर करें।
2. चने में फली छेदक के जैविक नियंत्रण हेतु 50 प्रतिशत नीमस्त्र व अग्निस्त्र का प्रयोग करें।
3. धनियां में मोयला के जैविक नियंत्रण हेतु 50 मि.ली. गौमुत्र + 50 मि.ली. नीम की पत्तियों का रस + 50 मिली. छाछ प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
4. चने में फली छेदक कीट प्रबन्धन हेतु परभक्षी चिड़ियाओं को खेत में बैठने हेतु एक हैक्टर में 40-50 ''टी'' आकार की बांस की खपच्ची फसल से एक फीट ज्यादा ऊँचाई की लगावें।
5. जायद में मूंग के लिये शिखा, विराट व आई.पी.एम. 02-03 किस्में एवं उड़द की मुकन्दरा उड़द-2, कोटा उड़द-4 किस्मों की बुवाई करें।
6. बसंतकालीन गन्ने की बुवाई हेतु उन्नत किस्में, सी.ओ. 1007, सी.ओ.जे. 64, सी.ओ.पी.बी. 09181, प्रताप गन्ना 1, सी.ओ. 0238 की बुवाई करें।
7. जायद भिंडी एवं कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई करें एवं जुलाई में लगाये गये बगीचे में जो पौधे खराब हो गये हैं उनके रिक्त स्थान पर नये पौधों का रोपण करें।
8. सिंचाई की सुविधा वाले स्थानों पर संतरा, अमरूद एवं नींबू के नये बगीचे लगावें।
9. संतरा फल तुड़ाई उपरान्त सूखी टहनियाँ निकाले तथा कॉपर आक्सीक्लोराइड + डाईमेथोऐट अथवा ईमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव करें।
10. नवजात छः माह की उम्र तक बछड़े-बछड़ियों को अन्तः परजीवी नाशक दवा पीपराजीन ऐडीपेट नियमित रूप से दें।
11. दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के लिए, उनका दूध पूरा व मुट्ठी बांध कर निकालें।

माननीय राज्यपाल द्वारा कृषि उद्यमियों से संवाद

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्दों की वार्षिक कार्य योजना बैठक

विश्वविद्यालय पर स्थित कृषि शिक्षा संग्राहलय में स्कूली छात्रों का भ्रमण

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा

निदेशक : डॉ. महेन्द्र सिंह

मोबाइल नं. : 9414213488, कार्यालय फोन नं. : 0744-2326727
ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र

निदेशक, पी.एम.ई. एवं प्रभारी अधिकारी : डॉ. मुकेश चन्द गोयल

मोबाइल नं. : 9414758940, कार्यालय फोन नं. : 0744-2340048
ई-मेल : dpme@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

मार्च, 2026

कृषि पंचांग

सार्वजनिक अवकाश

2. होलिका दहन, 3. धूलण्डी,
20. चेटीचण्ड, 21. ईदुलफितर (चाँद से)
26. रामनवमी, 31. महावीर जयन्ती

रविवार Sunday	1 फाल्गुन शुक्ल त्रयो.	8 चैत्र कृष्ण पंचमी	15 चैत्र कृष्ण एकादशी	22 चैत्र शुक्ल चतुर्थी	29 चैत्र कृष्ण एकादशी
सोमवार Monday	2 फाल्गुन शुक्ल चतुर्दशी	9 चैत्र कृष्ण षष्टी	16 चैत्र कृष्ण द्वादशी	23 चैत्र शुक्ल पंचमी	30 चैत्र कृष्ण द्वादशी
मंगलवार Tuesday	3 फाल्गुन शुक्ली पूर्णिमा	10 चैत्र कृष्ण सप्तमी	17 चैत्र कृष्ण त्रयोदशी	24 चैत्र शुक्ल षष्टी	31 चैत्र कृष्ण त्रयोदशी
बुधवार Wednesday	4 चैत्र कृष्ण प्रतिपदा	11 चैत्र कृष्ण अष्टमी	18 चैत्र कृष्ण चतुर्दशी	25 चैत्र शुक्ल सप्तमी	2 होली दहन
गुरूवार Thursday	5 चैत्र कृष्ण द्वितीया	12 चैत्र कृष्ण नवमी	19 चैत्र कृष्ण अमावस्या	26 चैत्र शुक्ल अष्टमी	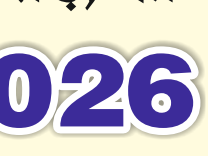 20 चेटीचण्ड
शुक्रवार Friday	6 चैत्र कृष्ण तृतीया	13 चैत्र कृष्ण दशमी	20 चैत्र शुक्ल द्वितीया	27 चैत्र शुक्ल नवमी	21 ईदुलफितर (चांद से)
शनिवार Saturday	7 चैत्र कृष्ण चतुर्थी	14 चैत्र कृष्ण दशमी	21 चैत्र शुक्ल तृतीया	28 चैत्र शुक्ल दशमी	26. रामनवमी 31. महावीर जयन्ती

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. जायद मूंग की उन्नत किस्में: शिखा, विराट, आई. पी.एम. 02-03 व उड़द की उन्नत किस्में- मुकन्दरा-2, कोटा उड़द-4,की बुवाई करें।
2. गेंहूँ की फसल को अधिक तापमान से बचाने के लिये 10 प्रतिशत वर्मीवाश का छिड़काव करें।
3. ग्रीष्मकालीन हरे चारे के लिए ज्वार, बाजरा, लोबिया की बुवाई करें एवं मीठी सूडान, संकर हाथी घास की रोपाई करें।
4. गेहूँ व जौ की खड़ी फसल में चूहा नियंत्रण हेतु एल्युमिनियम फॉस्फाइड की 10 ग्राम पाउच प्रति बिल में रखकर बन्द कर देवें।
5. संतरे में फल तोड़ने के बाद सूखी टहनियों को निकाले तथा साथ ही कॉपर आक्सीक्लोराइड 3 ग्राम/लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें।
6. अमरूद के फलदार पौधों में मृग बहार लेने हेतु सिंचाई बन्द कर देवें।
7. ग्रीष्म कालीन टमाटर की पौध का रोपण खेत में करें।
8. खेत खाली होने पर जायद सब्जियों की बुवाई करें।
9. बरसीम, रिजका तथा जई का ''हे'' बनायें।
10. ब्याने वाले पशुओं को प्रसूति बुखार से बचाने के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम प्रतिदिन दें तथा पशुओं के बाटें में खल, चूरी, चापड़, दलिया एवं नमक मिलाकर देवें।
11. पशुओं में खुरपका-मुंहपका रोग का टीका लगवाएं।

माननीय कुलगुरू द्वारा अनुसंधान प्रक्षेत्र का अवलोकन

प्राकृतिक खेती पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रम की प्रथम (परियोजना की 20वीं) वार्षिक समूह बैठक

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मसूर किस्म कोटा मसूर-6

अनुसंधान निदेशालय, कोटा

निदेशक : डॉ. एम.सी. जैन

मोबाईल नं. 94145-95682 कार्यालय फोन नं. : 0744-2321207
ई-मेल : draukota@aukota.org

क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान: डॉ. भवानी शंकर मीना

मोबाईल नं. 94144-89121 कार्यालय फोन नं. : 0744-2844306
ई-मेल : arskota@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

3. गुड फ्राइडे, 11. महात्मा ज्योतिबा फूले जयन्ती,
14. डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती, 19. परशुराम जयन्ती

अप्रैल, 2026 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	3. गुड फ्राइडे	5 वैशाख कृष्ण तृतीय	12 वैशाख कृष्ण नवमी	19 वैशाख शुक्ल द्वितीया	26 वैशाख शुक्ल दशमी
सोमवार Monday	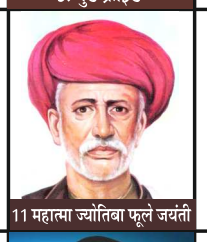 11 महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती	6 वैशाख कृष्ण चतुर्थी	13 वैशाख कृष्ण एकादशी	20 वैशाख शुक्ल तृतीय	27 वैशाख शुक्ल एकादशी
मंगलवार Tuesday	14 डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती	7 वैशाख कृष्ण पंचमी	14 वैशाख कृष्ण द्वादशी	21 वैशाख शुक्ल पंचमी	28 वैशाख शुक्ल द्वादशी
बुधवार Wednesday	1 चैत्र कृष्ण चतुर्दशी	8 वैशाख कृष्ण षष्टी	15 वैशाख कृष्ण त्रयोदशी	22 वैशाख शुक्ल षष्टी	29 वैशाख शुक्ल त्रयोदशी
गुरूवार Thursday	2 चैत्र कृष्ण पूर्णिमा	9 वैशाख कृष्ण सप्तमी	16 वैशाख कृष्ण चतुर्दशी	23 वैशाख शुक्ल सप्तमी	30 वैशाख शुक्ल चतुर्दशी
शुक्रवार Friday	3 वैशाख कृष्ण	10 वैशाख कृष्ण अष्टमी	17 वैशाख कृष्ण अमा.	24 वैशाख शुक्ल अष्टमी	19 परशुराम जयन्ती
शनिवार Saturday	4 वैशाख कृष्ण	11 वैशाख कृष्ण नवमी	18 वैशाख शुक्ल प्रतिपदा	25 वैशाख शुक्ल नवमी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. रबी फसलों की कटाई के बाद खेत की जुताई कर छोड़े तथा खाली खेतों में ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें।
2. खेत की मिट्टी का नमूना एकत्रित कर मृदा परीक्षण करवायें।
3. गन्ने में अंकुरण तक समय-समय पर हल्की सिंचाई दें जिससे अंकुरण शीघ्र तथा अच्छा होगा। गर्मी की फसल मूँग व उड़द में 10-15 दिन के अन्तराल पर हल्की सिंचाई करें।
4. कद्दूवर्गीय सब्जियों में फल मक्खी के रोकथाम हेतु फल मक्खी ट्रेप 20-25 प्रति हैक्टर लगावें या फूल आने से पहले डाईमिथोएट एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
5. मिर्च की फसल में थ्रिप्स की रोकथाम हेतु इमिडाक्लोप्रिड 48 प्रतिशत एफ.एस. 10 मिली/किग्रा बीजोपचार व इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 2 मिली/लीटर पानी से पौध उपचार एवं डाइफेनथ्यूरोन 50 प्रतिशत डब्ल्यू. पी. का 1 ग्राम/ली. पानी का छिड़काव 15 दिन के अन्तराल पर करें। नीले एवं पीला रंग के चिपचिपे ट्रेप भी लगावें।
6. मिर्च फसल में पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण हेतु सायमोक्सानिल 8 प्रतिशत + मेन्कोजेब 64 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. का 1.5 ग्राम प्रति लीटर या कार्बेन्डाजिम 12 प्रतिशत + मेन्कोजेब 63 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. का 2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
7. संतरे की मृग बहार फसल लेने के लिए सिंचाई को रोकें।
8. नींबू वर्गीय फलों में फलों को गिरने से बचाने हेतु 2, 4-डी (उद्यानिकी ग्रेड) या जिब्रलिक अम्ल 15 मिली ग्राम प्रति लीटर का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।
9. संतरे में काली मक्खी की रोकथाम हेतु एसिफेट 1.25 ग्राम या डाइमिथोएट 2.0 मि.ली. या क्यूनालफॉस 1.5 मि.ली. या प्रोफेनाफॉस 1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर 15 दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव ट्रेक्टर चलित पावर स्प्रेयर की सहायता से करें
10. पपीता की रेड लेडी 786 किस्मों के पौधों का रोपण करें।
11. पानी पीने की कुण्डी साफ रखें एवं चूने से पुताई करें, पशुओं को दिन में कम से कम चार बार पानी पिलावें। भेड़-बकरियों को परजीवी से बचाव के लिए परजीवी नाशक घोल में डुबोकर निकालें।
12. ग्याभिन (छः माह से अधिक) पशुओं को अतिरिक्त आहार दें।

महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह

महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम

महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

अधिष्ठाता : डॉ.आई.बी. मौर्य

मोबाईल नं. 9887095532, कार्यालय फोन नं. : 07432-241155

ई-मेल : chf@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

28. ईदुलजुहा (बकरीद) चाँद से

मई, 2026

कृषि पंचांग

रविवार Sunday	31 ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा	3 ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया	10 ज्येष्ठ कृष्ण अष्टमी	17 ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा	24 ज्येष्ठ शुक्ल नवमी
सोमवार Monday	28. ईदुलजुहा (बकरीद)	4 ज्येष्ठ कृष्ण तृतीया	11 ज्येष्ठ कृष्ण नवमी	18 ज्येष्ठ शुक्ल द्वितीया	25 ज्येष्ठ शुक्ल दशमी
मंगलवार Tuesday		5 ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी	12 ज्येष्ठ कृष्ण दशमी	19 ज्येष्ठ शुक्ल तृतीय	26 ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी
बुधवार Wednesday		6 ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी	13 ज्येष्ठ कृष्ण एकादशी	20 ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी	27 ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी
गुरूवार Thursday		7 ज्येष्ठ कृष्ण पंचमी	14 ज्येष्ठ कृष्ण द्वादशी	21 ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी	28 ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी
शुक्रवार Friday	1 वैशाख शुक्ल पूर्णिमा	8 ज्येष्ठ कृष्ण षष्टी	15 ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी	22 ज्येष्ठ शुक्ल षष्टी	29 ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी
शनिवार Saturday	2 ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा	9 ज्येष्ठ कृष्ण सप्तमी	16 ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या	23 ज्येष्ठ शुक्ल अष्टमी	30 ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्दशी

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. लेजर लेण्ड लेवलर द्वारा खेतों के समतलीकरण का कार्य करें तथा खेतों में अधोसतह की कठोर पर्त को तोड़ने के लिए चीजल प्लाव का प्रयोग करें।
2. खरीफ फसल के लिये मृदा नमूने एकत्रित कर मृदा परीक्षण करवायें।
3. वर्षा जल संग्रहण हेतु खेत तलाई या प्लास्टिक जल कुण्ड का निर्माण करें।
4. धान की नर्सरी लगाने हेतु खेत की तैयारी करें।
5. हजारा (गैंदा) की पौध तैयार करें।
6. नये बगीचों में उपयुक्त सिंचाई का प्रबन्ध करके गर्म हवाओं से बचायें।
7. अमरूद के फलदार बगीचों में सिंचाई प्रारम्भ कर देवें।
8. फलदार पौधों के तनों पर दो फीट की ऊंचाई तक बोर्डोपेस्ट से पुताई करें। बोर्डोपेस्ट तैयार करने के लिए 1 किलो कॉपर सल्फेट 5 लीटर पानी को रात भर भिगायें। इसी तरह एक किलो चूना 5 लीटर पानी में एक प्लास्टिक की बाल्टी में अलग भिगोयें। दूसरे दिन सुबह दोनों बाल्टी की सामग्री को मिलायें तथा इस पेस्ट को 12 घंटों के भीतर फलदार पौधों के तने पर लगायें।
9. फलदार बगीचों अमरूद, अनार, सन्तरा, मौसमी इत्यादि हेतु गढ्ढों की खुदाई करें।
10. पशुओं को गर्मी व लू से बचाने के उपाय करें एवं पशुओं को संतुलित आहार दें, जिससे उनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता बनी रहे। पशु आवास की 4-6 इंच मिट्टी निकालकर दूसरी मिट्टी डालें।
11. पशुओं को लवण-मिश्रण निर्धारित मात्रा में दाने या बाँटे में मिलाकर दें।
12. भेड़ बकरियों को चेचक रोग का टीका अवश्य लगवायें।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेड कौर द्वारा माननीय राज्यपाल महोदय के सम्मान में सशस्त्र गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

माननीय कुलगुरू द्वारा महाविद्यालय का अवलोकन

महाविद्यालय छात्रों का राष्ट्रीय शैक्षणिक भ्रमण

कृषि महाविद्यालय, कोटा

अधिष्ठाता : डॉ. एस.के. जैन

मो0 नं0 9414782564, कार्यालय फोन : 0744-2960919

ई-मेल : coakota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

17. महाराणा प्रताप जयंती
26. ताजिया (मुहर्रम) चाँद से

जून, 2026 कृषि पंचांग

रविवार Sunday		7 ज्येष्ठ कृष्ण सप्तमी	14 ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी	21 ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी	28 ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्दशी
सोमवार Monday	1 ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा	8 ज्येष्ठ कृष्ण अष्टमी	15 ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या	22 ज्येष्ठ शुक्ल अष्टमी	29 ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा
मंगलवार Tuesday	2 ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया	9 ज्येष्ठ कृष्ण नवमी	16 ज्येष्ठ शुक्ल द्वितीया	23 ज्येष्ठ शुक्ल नवमी	30 आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा
बुधवार Wednesday	3 ज्येष्ठ कृष्ण तृतीया	10 ज्येष्ठ कृष्ण दशमी	17 ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया	24 ज्येष्ठ शुक्ल दशमी	17. महाराणा प्रताप जयन्ती
गुरूवार Thursday	4 ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी	11 ज्येष्ठ कृष्ण एकादशी	18 ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी	25 ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी	
शुक्रवार Friday	5 ज्येष्ठ कृष्ण पंचमी	12 ज्येष्ठ कृष्ण द्वादशी	19 ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी	26 ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी	26. ताजिया (मुहर्रम)
शनिवार Saturday	6 ज्येष्ठ कृष्ण षष्ठी	13 ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी	20 ज्येष्ठ शुक्ल षष्ठी	27 ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. सोयाबीन की उन्नत किस्में : जे.एस. 20-94, जे.एस. 20-98, जे.एस. 20-116, जे.एस. 20-34, जे.एस. 20-29, जे.एस. 95-60 की बुवाई करें।
2. सोयाबीन की बुवाई चौड़ी मेड़ एवं कुंड (BBF) पद्धति से करें।
3. धान की सीधी बुवाई 22.5 से.मी. कतारों की दूरी एवं 2-2.5 से. मी. गहराई पर 20-30 जून तक करें।
4. रोपित धान के लिए नर्सरी में 1.0 से 1.5 मीटर चौड़ी क्यारी बनाकर पूसा बासमती 1692, पूसा बासमती 1718, पूसा बासमती 1847 किस्मों की बुवाई करें।
5. मक्का की उन्नत किस्में : नवजोत, प्रताप मक्का 3, प्रताप मक्का 5, प्रताप संकर मक्का 1, पी.एच.ई.एम. 2 व प्रताप पी.क्यू.एम. संकर 1 की बुवाई करें।
6. अमरूद के फलदार पौधों में खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करें।
7. फूल गोभी एवं पत्ता गोभी में अगेती किस्मों की नर्सरी तैयार करें।
8. वर्षाकालीन सब्जियों - भिण्डी, लोकी, टिण्डा, कद्दू, करेला, खीरा, ग्वारफली, चौला इत्यादि की उन्नत किस्मों की बुवाई करें।
9. संतरे की मृग बहार की फलत लेने हेतु नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश उर्वरकों का प्रयोग करें।
10. अमरूद एवं संतरा बगीचों में फल मक्खी के प्रकोप से बचाव के लिए फल मक्खी ट्रेप 20-25 प्रति हैक्टर लगावें।
11. गलघोंटू, खुरपका-मुँहपका रोग एवं लंगड़ा बुखार बीमारी तथा फड़किया आदि के टीके लगवाऐं। पशुओं को अन्तः व बाहरी परजीवियों से बचाव लिए परजीवीनाशक दवाओं का प्रयोग करें।
12. भेड़ के शरीर को ऊन कतरने के 21 दिन बाद, बाह्य परजीवियों से बचाने के लिए कीटाणुनाशक घोल से भिगोएं।

माननीय कुलगुरू द्वारा शिक्षकों से संवाद

महाविद्यालय में अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम

महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम

कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली (बून्दी)

अधिष्ठाता : डॉ. एन.एल. मीणा

मोबाईल नं. 94145-39008 कार्यालय फोन : 07436-294130

ई-मेल : coahindoli@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

जुलाई, 2026 कृषि पंचांग

रविवार Sunday		5 आषाढ़ कृष्ण पंचमी	12 आषाढ़ कृष्ण त्रयोदशी	19 आषाढ़ शुक्ल षष्ठी	26 आषाढ़ शुक्ल द्वादशी
सोमवार Monday		6 आषाढ़ कृष्ण षष्ठी	13 आषाढ़ कृष्ण चतुर्दशी	20 आषाढ़ शुक्ल सप्तमी	27 आषाढ़ शुक्ल त्रयोदशी
मंगलवार Tuesday		7 आषाढ़ कृष्ण सप्तमी	14 आषाढ़ कृष्ण अमावस्या	21 आषाढ़ शुक्ल अष्टमी	28 आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी
बुधवार Wednesday	1 आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा	8 आषाढ़ कृष्ण अष्टमी	15 आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा	22 आषाढ़ शुक्ल नवमी	29 आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा
गुरूवार Thursday	2 आषाढ़ कृष्ण द्वितीया	9 आषाढ़ कृष्ण नवमी	16 आषाढ़ शुक्ल द्वितीया	23 आषाढ़ शुक्ल नवमी	30 श्रावण कृष्ण प्रतिपदा
शुक्रवार Friday	3 आषाढ़ कृष्ण तृतीया	10 आषाढ़ कृष्ण दशमी	17 आषाढ़ कृष्ण तृतीया	24 आषाढ़ शुक्ल दशमी	31 श्रावण कृष्ण द्वितीया
शनिवार Saturday	4 आषाढ़ कृष्ण चतुर्थी	11 आषाढ़ कृष्ण द्वादशी	18 आषाढ़ शुल्ल पंचमी	25 आषाढ़ शुक्ल एकादशी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. मानसून की देरी होने पर सोयाबीन की जे.एस. 20-94, जे.एस. 20-34, जे.एस. 20-29 किस्मों की बुवाई प्रथम पखवाड़े तक करें।
2. उड़द की उन्नत किस्में मुकन्दरा उड़द-2, कोटा उड़द-4, प्रताप उड़द-1 एवं मूंग की आई.पी.एम. 02-03, शिखा, विराट आदि किस्मों की बुवाई करें।
3. धान के मुख्य खेत में 20-25 दिन की पौध को 20 से.मी. कतारों में रोपाई करें।
4. सोयाबीन की फसल में 15 से 25 दिन के मध्य सिफारिश अनुसार खरपतवार नाशी दवाओं का प्रयोग करें।
5. मक्का की खड़ी फसल में टॉपरामेजॉन 33.6 प्रतिशत एस.सी. का 25.2 ग्राम सक्रिय तत्व/है. या टेम्बोट्राइन 42 प्रतिशत एस.सी. का 120.75 ग्राम सक्रिय तत्व/है. की दर से बुवाई के 15.-20 दिन बाद छिड़काव करने पर संकरी व चौडी पत्तियों वाले खरपतवारों का नियंत्रण होता है।
6. उडद की उन्नत किस्में: प्रताप उडद 1, मुकन्दरा उडद 2, कोटा उड़द 3, कोटा उड़द 4, कोटा उड़द 5, कोटा उड़द 6, पन्त यू. 31 व के. यू. 96-3 की बुवाई करें।
7. खाली खेतों में हरी खाद वाली फसलें ढैंचा व सनई की बुवाई करें।
8. तिल की उन्नत किस्म प्रताप, आर.टी. 46, आर.टी. 125, आर.टी. 103, आर.टी. 346 व आर.टी. 351 की बुवाई करें।
9. कम एवं अधिक वर्षा की स्थिति में सोयाबीन, उड़द एवं मूंग को चौड़ी मेड़ एवं कूँड पद्धति (बी.बी.एफ.) विधि से तीन पंक्तियों में बुवाई करें।
10. उडद की फसल में बुवाई के बाद अंकुरण से पूर्व पेण्डीमिथेलीन 30 ई.सी. 1.0 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर (व्यवसायिक दर 3.3 लीटर) का छिडकाव करके खरपतवारों की प्रभावी रोकथाम की जा सकती है।
11. उड़द की खड़ी फसल में सिफारिश अनुसार खरपतवारनाशी का प्रयोग करें।
12. फूल गोभी एवं पत्ता गोभी की अगेती किस्मों की पौध का खेत में रोपण कर देवें।
13. खरीफ प्याज की उन्नत किस्में एग्रीफाउन्ड डार्क रेड, एन-53, भीमा राज व भीमा रेड का रोपण करें।
14. पशुशाला को मच्छर व मक्खी से बचाव के लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करें।

डॉ. विमला डूंकवाल कुलगुरू द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरण

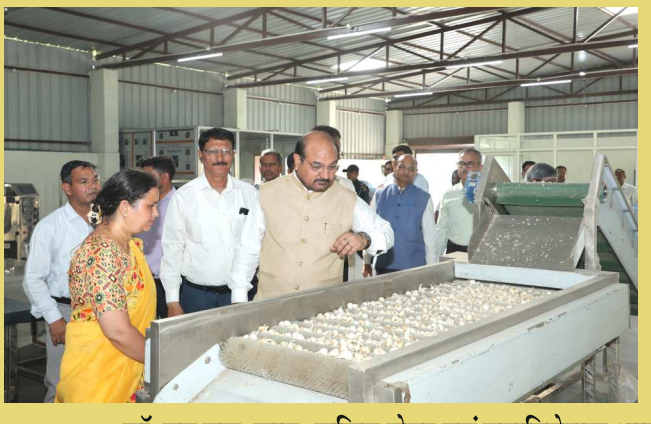

डॉ. एम.एल. जाट, सचिव डेयर एवं महानिदेशक भाकृअनुप, नई दिल्ली द्वारा कॉमन इन्क्यूबेसन सेन्टर एवं बीज उत्पादन कार्यक्रम का अवलोकन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. नीरज हाड़ा

मोबाईल नं. 7976126864 कार्यालय फोन नं. : 0744-2326726

ई-मेल : kvkkota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

9. विश्व आदिवासी दिवस,
15. स्वतंत्रता दिवस, 26. बारावफात (चाँद से)
27. माननीय कुलगुरू महोदय द्वारा घोषित अवकाश
28. रक्षाबंधन

अगस्त, 2026

कृषि पंचांग

रविवार Sunday	30 भाद्रपद कृष्ण द्वितीया	2 श्रावण कृष्ण चतुर्थी	9 श्रावण कृष्ण एकादशी	16 श्रावण शुक्ल चतुर्थी	23 श्रावण शुक्ल एकादशी
सोमवार Monday	31 भाद्रपद कृष्ण तृतीया	3 श्रावण कृष्ण पंचमी	10 श्रावण कृष्ण द्वादशी	17 श्रावण शुक्ल पंचमी	24 श्रावण शुक्ल द्वादशी
मंगलवार Tuesday	9. विश्व आदिवासी दिवस	4 श्रावण कृष्ण षष्ठी	11 श्रावण कृष्ण चतुर्दशी	18 श्रावण शुक्ल षष्ठी	25 श्रावण शुक्ल द्वादशी
बुधवार Wednesday	15 स्वतन्त्रता दिवस	5 श्रावण कृष्ण सप्तमी	12 श्रावण कृष्ण अमावस्या	19 श्रावण शुक्ल सप्तमी	26 श्रावण शुक्ल त्रयोदशी
गुरूवार Thursday	26. बारावफात (चांद से)	6 श्रावण कृष्ण अष्ठमी	13 श्रावण शुक्ल प्रतिपदा	20 श्रावण शुक्ल अष्टमी	27 श्रावण शुक्ल चतुर्दशी
शुक्रवार Friday	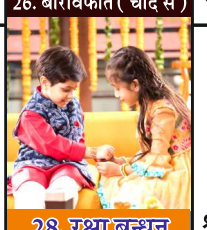 28. रक्षा बन्धन	7 श्रावण कृष्ण नवमी	14 श्रावण शुक्ल द्वितीया	21 श्रावण शुक्ल नवमी	28 श्रावण शुक्ल पूर्णिमा
शनिवार Saturday	1 श्रावण कृष्ण तृतीया	8 श्रावण कृष्ण दशमी	15 श्रावण शुक्ल तृतीया	22 श्रावण शुक्ल दशमी	29 भाद्रपद कृष्ण प्रतिपदा

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. मक्का में तना छेदक कीट के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 1 लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
2. उड़द एवं मूंग फसल में जलीय घुलनशील उर्वरक नत्रजनः फॉस्फोरसः पोटाश (18:18:18) की 0.5 प्रतिशत की दर से फूल आने पर पर्णीय छिड़काव करें।
3. सोयाबीन में गर्डल बीटल नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 1 लीटर प्रति हैक्टेयर या थायाक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. 750 मिलीलीटर दवा को 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
4. सोयाबीन फसल में पत्ती भक्षक लटों के प्रभावी प्रबन्धन हेतु बीटी 127 एस.सी. 3.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
5. सोयाबीन में फली छेदक लट् (हेलीकोवर्पा) एवं तम्बाकू लट् के प्रबन्धन के लिए एन.पी.वी. एवं फेरामेन ट्रेप उपयोग में लेवे तथा व्याधियों के नियंत्रण के लिए जैव फफूँदनाशी ट्राइकोडर्मा का प्रयोग करें।
6. खरीफ की खड़ी फसलों में जिंक की कमी होने पर जिंक सल्फेट 5 ग्राम+ बुझा हुआ चूना 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
7. सतंरे में काली मस्सी (ब्लैक फ्लाई) के नियंत्रण हेतु अगस्त माह में 15 दिन के अन्तराल पर पर्णीय छिड़काव क्रमशः इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. का 0.5 मि.ली. प्रति लीटर या फेनप्रोपेथिन 30 ई.सी. का 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें या जैविक कीट नियंत्रण हेतु बायोएजेन्ट वर्टिसिलियम लेकेनी का 5.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर पर्णीय छिडकाव अगस्त-सितम्बर माह में 10-12 दिन के अन्तराल से करें।
8. अरहर फसल में फली छेदक एवं मरूका कीट के प्रारम्भिक प्रकोप पर क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 ए. सी. का 100 एम.एल. प्रति हैक्टर + एन.ए.ए. का 40 पी.पी.एम. घोल का छिड़काव फूल शुरू होने पर तथा इसके 15 दिन उपरान्त इण्डोक्साकार्ब 15.8 ई.सी. का 375 मिली प्रति हैक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
9. पपीता में रस चूसक कीटों (सफेद मक्खी) के नियंत्रण हेतु बायोएजेन्ट वर्टिसिलियम लेकेनी का 5.0 मि.ली. प्रति लीटर के 3 पर्णीय छिडकाव 10 दिन के अन्तराल पर करें। पीले रंग के चिपचिपे ट्रेप लगावें।
10. नये बगीचे लगाने हेतु फलदार पौधों का रोपण करें।
11. संतरे में फलों को गिरने से रोकने हेतु 2, 4-डी (उद्यानिकी ग्रेड) 10 मिली ग्राम प्रति लीटर घोल के हिसाब से छिड़काव करें।
12. नींबू वर्गीय फलों में पत्तियां खाने वाली इल्ली (निंबू तितली) नियंत्रण के लिये डायमिथोएट 1.5 मि.ली. या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।
13. भेड़ बकरियों में पी.पी.आर., भेड़ चेचक व फड़किया रोग होने की सम्भावना रहती है, अतः इन रोगों से बचाव के टीके लगवा लें।

माननीय कुलगुरू द्वारा केन्द्र पर नर्सरी का अवलोकन

केन्द्र द्वारा प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

केन्द्र पर कृषक वैज्ञानिक संवाद

कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. महेश चौधरी

मोबाईल नं. 9829408402 कार्यालय फोन नं. : 0747 - 2457162

ई-मेल : kvkbundi@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

04. श्री कृष्ण जन्माष्टमी
21. रामदेव जयन्ती, तेजा दशमी एवं खेजड़ली शहीद दिवस
25. माननीय कुलगुरू द्वारा घोषित अवकाश (अनन्त चतुर्दशी)

सितम्बर, 2026 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	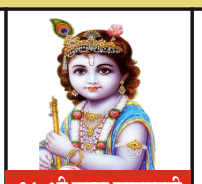 04. श्री कृष्ण जन्माष्टमी	6 भाद्रपद कृष्ण दशमी	13 भाद्रपद शुक्ल द्वितीया	20 भाद्रपद शुक्ल नवमी	27 अश्विन कृष्ण प्रतिपदा
सोमवार Monday	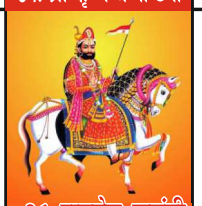 21. रामदेव जयंती	7 भाद्रपद कृष्ण एकादशी	14 भाद्रपद शुक्ल तृतीया	21 भाद्रपद शुक्ल दशमी	28 अश्विन कृष्ण द्वितीया
मंगलवार Tuesday	1 भाद्रपद कृष्ण चतुर्थी	8 भाद्रपद कृष्ण द्वादशी	15 भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी	22 भाद्रपद शुक्ल एकादशी	29 अश्विन कृष्ण तृतीया
बुधवार Wednesday	2 भाद्रपद कृष्ण पंचमी	9 भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी	16 भाद्रपद शुक्ल पंचमी	23 भाद्रपद शुक्ल द्वादशी	30 अश्विन कृष्ण चतुर्थी
गुरूवार Thursday	3 भाद्रपद कृष्ण सप्तमी	10 भाद्रपद कृष्ण चतुर्दशी	17 भाद्रपद शुक्ल षष्ठी	24 भाद्रपद शुक्ल त्रयोदशी	21. तेजा-दशमी जयंती
शुक्रवार Friday	4 भाद्रपद कृष्ण अष्टमी	11 भाद्रपद कृष्णा अमा.	18 भाद्रपद शुक्ल सप्तमी	25 भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी	21. खेजडली शहीद दिवस
शनिवार Saturday	5 भाद्रपद कृष्ण नवमी	12 भाद्रपद शुक्ल प्रतिपदा	19 भाद्रपद शुक्ल अष्टमी	26 भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा	25. अनन्त चतुर्दशी

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. खरीफ की खड़ी फसलों में लोह तत्व की कमी से पीलापन आने पर फेरस सल्फेट 5 ग्राम प्रति लीटर तथा बुझा चूना 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
2. सोयाबीन में अर्धकुण्डल इल्ली व गर्डल बीटल के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी.@2 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
3. धान में तना छेदक व पत्ती लपेटक कीट नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 1 लीटर तथा केवल पत्ती लपेटक हेतु एसीफेट 75 एस. पी. 500 ग्राम प्रति हैक्ट. का छिडकाव करें। आवश्यकता होने पर 15-20 दिन बाद पुनः दोहरावें।
4. सोयाबीन में पत्तीधब्बा एवं फली झूलसा रोग के प्रबन्धन के लिए पिकोस्सीस्ट्रोबीन 7.05 + प्रोपिकोनाजोल 11.71% एस. सी. 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
5. प्रतिकूल मौसम में ज्वार, मक्का व बाजरा फसलों में सिट्टे आते समय तथा सोयाबीन, मूंगफली व उड़द में फूल एवं फली बनते समय सिंचाई अवश्य करें।
6. असिंचित क्षेत्र में रबी की फसलों की बुवाई सुनिश्चित करने हेतु वर्षा बन्द होने पर बक्खर चला कर नमी का संरक्षण करें।
7. अरहर की खड़ी फसल में थायोयूरिया 500 पी.पी.एम. के 2 पर्णीय छिड़काव फूल आने व फली बनने की अवस्था पर करें।
8. टमाटर, मिर्च एवं बैंगन की शीतकालीन फसल की नर्सरी लगावें।
9. हजारा (गैंदा) एवं गुलदाउदी की नर्सरी तैयार करें।
10. अमरूद के फलदार बगीचे में नत्रजन उर्वरक का प्रयोग करें।
11. गाय-भैंस के मद (हीट) में आने के 12 से 18 घण्टे के अन्दर ग्याभिन करवाने का उचित समय है।
12. हरे चारे से साईलेज बनाएं एवं हरे चारे के साथ सूखे चारे को मिलाकर खिलाएं।
13. सोयाबीन को 6 घण्टे भीगोकर, 20 मिनट उबालकर, 3-4 दिन कड़ी धूप में सुखाकर (8-10 प्रतिशत नमी) दैनिक आहार में अन्य अनाज के साथ मिलाकर प्रयोग करें।

माननीय कुलगुरू द्वारा केन्द्र का अवलोकन

केन्द्र द्वारा कृषि सखियों का प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा कृषक संगोष्ठी का आयोजन

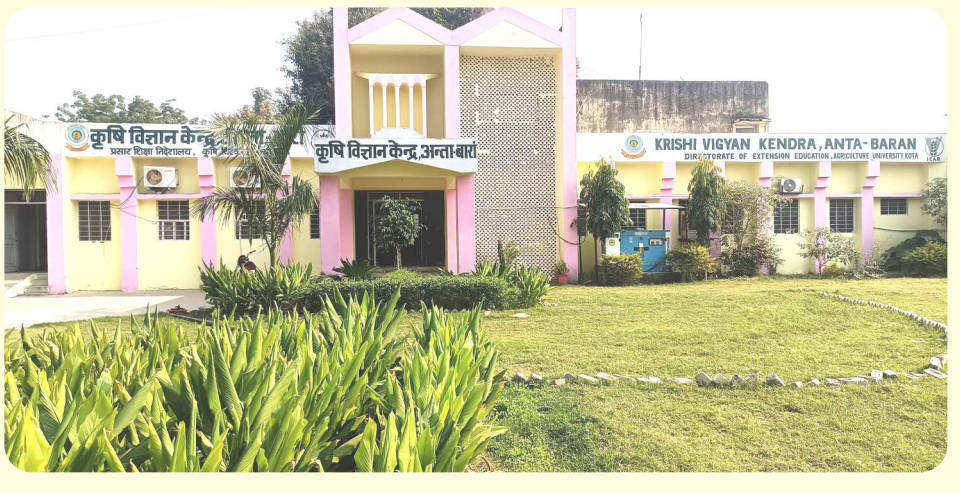

कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बाराँ)

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. बनवारी लाल
मोबाईल नं. 94686-55642कार्यालय फोन नं. : 07457-244862
ई-मेल : kvkanta@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

2. महात्मा गांधी जयन्ती
11. नवरात्रा स्थापना, महाराजा अग्रसेन जयन्ती
19. दुर्गाष्टमी, 20. विजय दशमी (दशहरा)

अक्टूबर, 2026 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	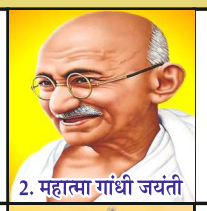 2. महात्मा गांधी जयंती	4 अश्विन कृष्ण नवमी	11 अश्विन शुक्ल प्रतिपदा	18 अश्विन शुक्ल सप्तमी	25 अश्विन शुक्ल चतुर्दशी
सोमवार Monday	11. नवरात्रा स्थापना	5 अश्विन कृष्ण दशमी	12 अश्विन शुक्ल द्वितीया	19 अश्विन शुक्ल अष्टमी	26 अश्विन शुक्ल पूर्णिमा
मंगलवार Tuesday	19. दुर्गाष्टमी	6 अश्विन कृष्ण एकादशी	13 अश्विन शुक्ल तृतीया	20 अश्विन शुक्ल नवमी	27 कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा
बुधवार Wednesday	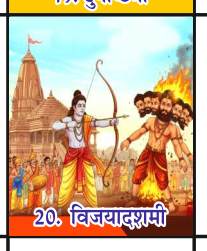 20. विजयादशमी	7 अश्विन कृष्ण द्वादशी	14 अश्विन शुक्ल चतुर्थी	21 अश्विन शुक्ल दशमी	28 कार्तिक कृष्ण तृतीया
गुरूवार Thursday	1 अश्विन कृष्ण	8 अश्विन कृष्ण त्रयोदशी	15 अश्विन शुक्ल पंचमी	22 अश्विन शुक्ल एकादशी	29 कार्तिक कृष्ण चतुर्थी
शुक्रवार Friday	2 अश्विन कृष्ण षष्ठी	9 अश्विन कृष्ण चतुर्दशी	16 अश्विन शुक्ल षष्ठी	23 अश्विन शुक्ल द्वादशी	30 कार्तिक कृष्ण पंचमी
शनिवार Saturday	3 अश्विन कृष्ण सप्तमी	10 अश्विन कृष्ण अमावस्या	17 अश्विन शुक्ल सप्तमी	24 अश्विन शुक्ल त्रयोदशी	31 कार्तिक कृष्ण षष्ठी

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. चने की उन्नत किस्में: (देशी) कोटा देशी चना-1, कोटा देशी चना-2, कोटा देशी चना-3, कोटा देशी चना-4, कोटा देशी चना-5, कोटा देशी चना-6, जी.एन.जी. 1958, जी.एन.जी. 2144, जी.एन.जी. 2171 तथा (काबूली) कोटा काबूली चना-1, कोटा काबूली चना-2 एवं कोटा काबूली चना-3 की बुवाई करें।
2. चने की फसली में जड़ गलन व उखटा रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेण्डाजिम 50 डब्ल्यू.पी. 0.75 ग्राम + थाइरम 1.0 ग्राम तथा कॉलर रोट हेतु (कार्बोक्सिन 37.5 + थायरम 37.5) का 1.0 ग्राम या ट्राइकोडर्मा विरीडी 4 ग्राम प्रति कि. ग्रा. बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।
3. सरसों की उन्नत किस्में: एन.आर.सी.एच.बी. 101, डी.आर.एम.आर. आई.जे. 31(गिरिराज) एवं आर.एच. 725 की बुवाई करें।
4. सरसों में चितकबरा (पेन्टेड बग) के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस. 6 मि.ली. या थायोमिथॉक्जाम 30 एफ.एस. 5 मि.ली. प्रति कि. ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें।
5. मसूर की उन्नत किस्में: आई.पी.एल. 316, कोटा मसूर 1, कोटा मसूर 2, कोटा मसूर 3, कोटा मसूर 4 व कोटा मसूर 6 की बुवाई करें।
6. मटर (बटला) की उन्नत किस्में: कोटा मटर 1, डी.डी.आर. 23, आई.पी. एफ.डी. 99-13, आई.पी.एफ.डी. 1-10, डी. एम. आर. 7 की बुवाई करें।
7. लहसुन की जी-282, यमुना सफेद-2, जी. 50, जी-323 किस्मों को 6 ग्राम ट्राईकोडर्मा प्रति किलो बीज से उपचारित कर बुवाई करें।
8. बरसीम, रिजका, जई, मक्खन घास की हरे चारे हेतु बुवाई करें।
9. लहसुन में खरपतवार नियंत्रण हेतु रोपाई से पूर्व पेण्डिमिथेलिन 30 ई.सी. का 1 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति है. एवं रोपाई के 30 दिन पश्चात् ऑक्सीफ्लोरफेन 23.5 ई.सी. का 0.240 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति है. का छिड़काव करें।
10. रबी प्याज किस्म एग्री फाउन्ड लाईटरेड व भीमा शुभ्रा की नर्सरी तैयार करें।
11. नींबू वर्गीय फल पौधों में चूसक कीटों के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 1 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी की दर से घोल का छिड़काव करें।
12. गुलाब के पौधों में कटाई-छँटाई करें व नये पौधे लगाने हेतु कलम लगायें।
13. ग्लेडियोल्स फूल के बल्बों की बुवाई करें।
14. संतरे के पौधों से कीट ग्रस्त गिरे हुए संतरों को इक्टठा कर गढ्ढे में दबाए।
15. पशुओं को खुरपका-मुंहपका रोग का टीका लगवाएं।

सहायक महानिदेशक भाकृअनुप नई दिल्ली, निदेशक अटारी एवं बहुविषयक वैज्ञानिक टीम द्वारा कृषकों के खेतों का अवलोकन

केन्द्र द्वारा कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण

केन्द्र पर माननीय प्रधानमंत्री सम्मान निधि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. संतोष झाझड़ियां

मोबाईल नं. 9462099990 कार्यालय फोन : 07432-294405

ई-मेल : kvkjhalawar@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

8. दीपावली, 9. गोवर्धन पूजा,
11. भाईदूज, 24. गुरूनानक जयन्ती

नवम्बर, 2026 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	1 कार्तिक कृष्ण सप्तमी	8 कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी	15 कार्तिक शुक्ल षष्ठी	22 कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी	29 मार्गशीर्ष कृष्ण षष्टी
सोमवार Monday	2 कार्तिक कृष्ण अष्टमी	9 कार्तिक कृष्ण अमावस्या	16 कार्तिक शुक्ल सप्तमी	23 कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी	30 मार्गशीर्ष कृष्ण सप्तमी
मंगलवार Tuesday	3 कार्तिक कृष्ण नवमी	10 कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा	17 कार्तिक शुक्ल अष्टमी	24 कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा	08. दीपावली
बुधवार Wednesday	4 कार्तिक कृष्ण दशमी	11 कार्तिक शुक्ल द्वितीया	18 कार्तिक शुक्ल नवमी	25 मार्गशीर्ष कृष्ण प्रतिपदा	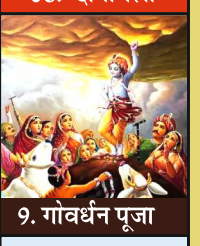 9. गोवर्धन पूजा
गुरूवार Thursday	5 कार्तिक कृष्ण एकादशी	12 कार्तिक शुक्ल तृतीया	19 कार्तिक शुक्ल नवमी	26 मार्गशीर्ष कृष्ण द्वितीया	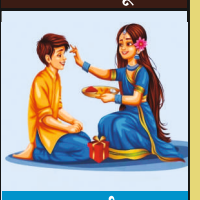 11. भाईदूज
शुक्रवार Friday	6 कार्तिक कृष्ण द्वादशी	13 कार्तिक शुक्ल चतुर्थी	20 कार्तिक शुक्ल दशमी	27 मार्गशीर्ष कृष्ण तृतीय	24. गुरूनानक जयंती
शनिवार Saturday	7 कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी	14 कार्तिक शुक्ल पंचमी	21 कार्तिक शुक्ल द्वादशी	28 मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. गेहूँ की सामान्य सिंचित बुवाई हेतु उन्नत किस्में: राज. 4037, राज. 4079, राज. 4120, राज. 3077, जी.डब्ल्यू. 190 तथा एच.आई. 8498 (काठिया), एच.आई. 8713 की बुवाई 15 नवम्बर से प्रारम्भ करें (बुवाई के समय अधिकतम व न्यूनतम तापमान का औसत 20 डिग्री सेल्सियस रहे)।
2. धान के बाद बोई गये गेंहूं में 150 किलोग्राम नत्रजन, 50 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 37 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
3. जिंक की कमी वाली मृदाओं में 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट हेपटाहाईड्रेट प्रति हेक्टर अन्तिम जुताई के समय मिट्टी में डालें।
4. जौ की उन्नत किस्में: आर.डी. 2052, आर.डी. 2035, आर.डी. 2503, आर.डी. 2508, आर.डी. 2552, आर.डी. 2668 व आर.डी. 2715 की बुवाई नवम्बर के प्रथम पखवाड़े से प्रारम्भ करें।
5. धनियां की उन्नत किस्में: आर.के.डी. 18,सी.एस. 6, आर.सी. आर. 480, आर.सी.आर. 684 व आर.डी. 385 की बुवाई करें।
6. धनिया में लौंगिया रोग से बचाव हेतु हेक्साकोनाजॉल 5 ई.सी. या प्रोपीकोनाजॉल 25 ई.सी. 2 मिली प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार कर 30 अक्टूबर से 15 नवम्बर बुवाई करें।
7. सिचिंत क्षेत्रों हेतु अलसी की किस्म प्रताप अलसी 1, प्रताप अलसी 2, कोटा अलसी 6 एवं असिचित क्षेत्रों हेतु कोटा बारानी अलसी 3, कोटा बारानी अलसी 4, कोटा बारानी अलसी 5, कोटा बारानी अलसी 6 एवं कोटा बारानी अलसी 7 की 1-15 नवम्बर तक बुवाई करें।
8. रबी प्याज की पौध का खेत में रोपण कर देवें।
9. पशुओं को बिछावन सूखा होना चाहिए तथा प्रतिदिन बदल लें।
10. बरसीम, रिजका, जई, मक्खन घास की बुवाई माह के मध्य तक अवश्य पूरी कर लें।
11. भेड़ और बकरियों को पी.पी.आर. आदि के टीका लगवाएं।

केन्द्र पर स्थित मोटा अनाज पास्ता इकाई का नीति आयोग टीम द्वारा अवलोकन

केन्द्र पर माननीय प्रधानमंत्री सम्मान निधि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

केन्द्र द्वारा विद्यालय में वृहद वृक्षारोपण जागरूकता कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. बच्चू सिंह

मोबाइल : 94149-74292, कार्यालय फोन नं. : 07469-209969

ई-मेल : kvkkaroli@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

25. क्रिसमस-डे

दिसम्बर, 2026 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	25. क्रिसमस-डे	6 मार्गशीर्ष कृष्ण त्रयोदशी	13 मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्थी	20 मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी	27 पौष कृष्ण चतुर्थी
सोमवार Monday		7 मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्दशी	14 मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी	21 मार्गशीर्ष शुक्ल द्वादशी	28 पौष कृष्ण पंचमी
मंगलवार Tuesday	1 मार्गशीर्ष कृष्ण अष्टमी	8 मार्गशीर्ष शुक्ल अमावस्या	15 मार्गशीर्ष शुक्ल षष्ठी	22 मार्गशीर्ष शुक्ल त्रयोदशी	29 पौष कृष्ण षष्ठी
बुधवार Wednesday	2 मार्गशीर्ष कृष्ण नवमी	9 मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा	16 मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी	23 मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्दशी	30 पौष कृष्ण सप्तमी
गुरूवार Thursday	3 मार्गशीर्ष कृष्ण दशमी	10 मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा	17 मार्गशीर्ष शुक्ल अष्टमी	24 पौष कृष्ण प्रतिपदा	31 पौष कृष्ण अष्टमी
शुक्रवार Friday	4 मार्गशीर्ष कृष्ण एकादशी	11 मार्गशीर्ष शुक्ल द्वितीया	18 मार्गशीर्ष शुक्ल नवमी	25 पौष कृष्ण द्वितीया	
शनिवार Saturday	5 मार्गशीर्ष कृष्ण द्वादशी	12 मार्गशीर्ष शुक्ल तृतीया	19 मार्गशीर्ष शुक्ल दशमी	26 पौष कृष्ण तृतीया	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. गेहूँ की पिछेती किस्में जैसे राज 4238, जी.डब्ल्यू. 273, राज 3765, राज 3077, राज 3777, एच.डी. 2932 तथा एच.आई. 8498 (काठिया) व एच.आई. 8713 की बुवाई दिसम्बर के प्रथम पखवाड़े तक करें।
2. गेहूँ में देरी से बुवाई करने पर बीज की मात्रा 125 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर का प्रयोग करें।
3. गेहूँ में प्रथम सिंचाई शीर्ष जड़ जमने के समय (बुवाई के 21-25 दिन बाद) अवश्य करें।
4. गेंहूँ में बुवाई के 30-35 दिन पर सिफारिश अनुसार खरपतवारनाशियों का प्रयोग करें।
5. सरसों में मोयला कीट नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ई.सी. 875 मिली प्रति हैक्टर का छिड़काव करें। मधुमक्खी बॉक्स को खेत में रखने पर सरसों की पैदावार में वृद्धि होती है।
6. धनियें में लौंगिया रोग के प्रबन्धन हेतु खड़ी फसल में हेक्साकोनोजोल 5 ई.सी. या प्रोपीकोनाजोल 25 ई.सी. का 2 मिली प्रति लीटर की दर से 45, 60, 75 दिन पर छिडकाव करें।
7. मसूर में वर्षा आधारित/सिमित सिंचाई परिस्थितियों में घुलनशील उर्वरक एनपीके (19:19:19) का 0.5 प्रतिशत घोल के दो पर्णीय छिड़काव क्रमशः फूल आने एवं फली बनने पर करें।
8. लो-टनल में कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई करें।
9. संतरे में अम्बे बहार के फल की तुड़ाई पश्चात् पेड़ों पर से सूखी व रोगग्रस्त टहनियाँ काटकर नष्ट कर दें तथा पेड़ों पर कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत डब्ल्यू. पी. एक ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
10. संतरे में माईट्स के नियंत्रण के लिए डायकोफॉल 2 मि.ली. अथवा इथियान 2 मि.ली. अथवा गंधक द्रव 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। 15 दिन के अंतराल पर दूसरा छिड़काव करें।
11. पशुओं को सर्दी से बचाव के लिये रात में आवास के अन्दर बांधें।
12. बुवाई के 50-55 दिन के बाद बरसीम एवं 55-60 दिन बाद जई की चारे के लिए कटाई करें। इसके पश्चात बरसीम की कटाई 25-30 दिन के अन्तराल पर करते रहें।

केन्द्र द्वारा कृषकों को ड्रोन द्वारा खेती में उपयोग हेतु प्रदर्शन

केन्द्र पर सूरजमुखी उत्पादन इकाई

केन्द्र पर खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. बी.एल. मीणा

मोबाईल नं. 9414822272 कार्यालय फोन नं. : 07462-213207

ई-मेल : kvksmp@aukota.org